भजन

मेहरों के सागर धामधनी मेरे पिया जी
पल पल रूहों पर मेहर करे, मेरे श्री राज निराले,
मेहेर बरसाने वाले,मेरे श्री राज निराले

१) सदगुरू बन पिया माया में आए,अर्श के सुख सारे याद दिलाए
कैसे मैं गाऊँ मेहर मैं अपने पिया की,धाम की सुध ताले मिने
मेहेर बरसाने वाले,मेरे श्री राज निराले

२) वाणी में लाए अर्श खजाना,गुझ भेदो को रूहों ने जाना
जिन पे है मेहर हुई वाणी का जाम वो ही पाया, झूठी माया छूट गई,
मेहेर बरसाने वाले,मेरे श्री राज निराले

३) मेहर तुम्हारी जो ना होती, कैसे तुम्हारे चरणों में आती
पिया के दिल का प्यार है ये मेहर, जिन पे हुई जाने वही
मेहेर बरसाने वाले,मेरे श्री राज निराले